4. रोपणी,प्रभारी द्वारा हम लोगो को अपने घरों में जैसे डिण्डोरी, जबलपुर एंव घैरो में तीन-तीन,चार-चार दिनों तक तीन तीन मजूदरों से काम करवाया जाताहै, और हम मजबूर वा हमें भूखे प्यासे मन न चाहते हुए भी काम करनापड़ता है,जिससे हम लोगों कीतबीयत भी खराब हो जातीहै,जिस कारण हम तबियतखराब के दिनों में भी काम नहीं कर पाते है, जिससे हमारे घरों में आर्थिक पैसे की तंगी आ जाती है,और अपने घर परिवार को चलाने हेतु हमेंअन्य पैसेवालों लोगों से पैसा उधार मांग कर बड़े मुश्किल से अपना घर का खर्च चला पाते है, हम लोगों की समस्या का न्याय संगत निवारण करने का कष्ट करें।

5. हम लोगों द्वारा अपनी समस्या आपके सामने रखने से हमें आगे और परेशानी का सामना न करनापड़े इसलिये ऐसे अधिकारी को इस नर्सरी से अन्य किसी नर्सरी में पदस्थ करने का अनुरोध आपसे करते है,महोदयजी यदि आप हमारे परिवारों की खुशियाँ या हमारा परिवार सुखमय जीवन जिये ऐसा चाहते है, तो इसविषय पर गंभीरता पूर्वक विचार कर हमारी उक्त सभी समस्याओं पर ध्यान देकर हमारी समस्या दूर करेंगें ऐसी आपसे अपेक्षा रखते है । क्योंकि रोपणीप्रभारी भविष्य में हम लोगों से व्यक्तिगत बदला लेने की भावना रखते हुएकाम करेगाजिसकी हमें आशंका है

अतः महोदयजी से निवेदनहैकि हमारे द्वारा किये गये उपरोक्त समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुए निराकरण कर हमें उचित न्याय दिलाये जाने एवं उचित कार्यवाही किये जाने की दया की जावे।

मण्डला,

दिनांक 03.09.2024

समस्त आवेदकगण
ग्राम देवरी,तहसील नारायणगंज
जिला मण्डला(म.प्र.)

मो.नं.- 7000447010, 6260933763, 7489292630

समस्त मजूदरों के नाम	हस्ताक्षर
1. अनिल धुर्वे	-
2. अजेश झारिया	-
3. राजेन्द्र तेकाम	-
4. मनीष मरकाम	-
5. उमराव झारिया	-

प्रति,

श्रीमान् कलेक्टर महोदय जी,
जन सुनवाईशिविर मण्डला,जिला मण्डला।

विषय:- हम आवेदकगणों की समस्या का निराकरण किये जाने हेतु आवेदनपत्र।

महोदयजी,

निवेदनहैकि हम श्रमिक गण शासकीय संजय निकुंज देवरी नारायणगंज, जिलामण्डलामें मजूदरी का काम करते है,जहाँ पर हमें रोपणी,प्रभारी श्री रमेश कुमार भारती द्वाराहम लोगों को निम्न.प्रकार से परेशान किया जाताहै कि :-

1. महोदयजी, हम लोग नर्सरी में मजूदरी का काम करते है,जिसमें हमें 26 दिनों का ही काम करने का,प्रावधान है,उसमें भी बिनाकिसी कारण से नर्सरी का काम बंद कर हम लोगों काम से बंद कर उन दिनों कीहाजरी भरकर रूपये मांगतेहै, इतनेकम दिन काम कर इन कुछ रूपयों में जैसे तैसे अपने परिवार का पालन पोषण बड़ी मुश्किल से करते है,उसमें भी रोपणी प्रभारी द्वारा जबर काम बंद कर इतने कम दिनों की हाजरी से हमारा घर परिवार का खर्च कैसे चलेगा विचार करने की बात है, इसविषय पर गंभीरता पूर्वक सोचने का विषय जिसकी जाँच होना बहुत जरूरी विषय है।

2. रोपणी प्रभारी द्वारा न ही गोबर की खाद मगाई जाती है ना उपजाऊ मिट्टी मंगाई जाती है, नाही पौधे लगाने हेतु पालीथीन पैकेट मगाँए जाते है, औरकहाजाताहै कि पौधेनहीं होगेंतो तुम लोगों को काम बंदकर तुम लोगों की हाजरी भरकर बाहर से पौधे मंगाऊंगा । महोदयजी गलती करें अधिकारी और सजा मिले मजूदरों को यदि भविष्य में ऐसाकाम हैतो हमारे बाल बच्चे भूखे मरने के लिये मजबूर हो जायेंगें यह बड़ा गंभीर है,इस पर न्यायोचित कदम उठाने की जरूरत है, महोदयजी ।

3. रोपणी,प्रभारी द्वारा हम लोगों की हाजरी भरकर रूपये मांगे है,और विद्युत मोटर का स्टार्टर सुधरवानाहै.और उसका बिल बनवाकर पे के लिये जिलाकार्यालयभेज दिया जाता है, इनका इस प्रकार का कार्य से परिवार केउत्थान में बाँधा डालता है, जो न्यायोचित नहीं है,इसकी ज इस,प्रकार के कार्य पर अंकुश लगाना अति आवश्यक है।